# पेपर का शीर्षक संक्षिप्त और सूचनाप्रद होना चाहिए। इसे शोध की सामग्री का स्पष्ट और संक्षिप्त वर्णन करते हुए लिखा जाना चाहिए। (krutidev010 16, Bold)*

**आदित्य कुमार [1*] और हर्ष सिंह [2]** **(krutidev010 14, Bold)***

1. हिन्दी विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, एमपी-470003, भारत।
2. समाजशास्त्र विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, एमपी-470003, भारत।

***संवाददाता लेखक: dineshneo99@gmail.com (krutidev010 14)***

***सारांश*** ***(krutidev010 14, Bold, Italic)****

*सारांश में परिणाम या निष्कर्ष को संक्षिप्त में बताया जाना चाहिए। उद्देश्य, विधियाँ, और प्रयोगात्मक डिज़ाइन लिखने की आवश्यकता नहीं है। सार 300 शब्दों से अधिक नहीं लिखा जाना चाहिए । (krutidev010 14, Italic)* *

***बीज शब्द :*** *वर्णमाला क्रम में 3-8 शब्दों या वाक्यांशों से अधिक नहीं होने चाहिए । (krutidev010 14, Italic)* *

**प्रस्तावना (krutidev010 14, Bold)***

पृष्ठभूमि की जानकारी, समस्या का विवरण या शोध निष्कर्ष, विस्तृत साहित्य सर्वेक्षण या परिणामों के सारांश से बचना। बताएं कि आप शोध समस्या की पहचान कैसे करते हैं एवं इसके साथ साथ शोध कार्य के उद्देश्य बताएं । **(krutidev010 14)***

**सामग्री और विधियाँ (यदि कोई हो) (krutidev010 14, Bold)***

इसमें शोध का समय और स्थान बताया जाना चाहिए। प्रयोगात्मक डिजाइन, उपचार, प्रतिकृति, और सांख्यिकीय विश्लेषण । **(krutidev010 14)***

**परिणाम (यदि कोई हो तो) (krutidev010 14, Bold)***

***उपशीर्षक (यदि कोई हो तो ) (krutidev010 14, Bold, Italic)****

सांख्यिकीय विश्लेषण के साथ स्पष्ट रूप से समझाया जाना चाहिए। प्रत्येक भाग में प्रयोगों, प्रारूप या गणना के परिणाम को लिखना। इस भाग को बताई गई तालिकाओं और/या आंकड़ों सहित आपकी राय या व्याख्या व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं है। (यदि कोई हो) **(krutidev010 14)***

Gaveshana Template

A B C

(krutidev010 14, Bold)* चित्र 1. Xxxxxxxxxx

(krutidev010 14, Bold)* सारणी 1 (यदि कोई हो तो )

| (krutidev010 14)* | | ..... | ..... | ..... |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

(krutidev010 14, Bold)* सारणी 1 (यदि कोई हो तो)

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| | | |
| | | |

Gaveshana Template

**विमर्श ( उद्धृत सन्दर्भों के साथ ) (krutidev010 14, Bold)***

मुख्य पैराग्राफ**(krutidev010 14)***

**आभार (krutidev010 14, Bold)***

लेखक किसी को विशेष धन्यवाद देना चाहता है। (यदि कोई हो तो) **(krutidev010 14)***

**सन्दर्भ (krutidev010 14, Bold) ( APA, Style) (सन्दर्भ लेखन हेतु सैंपल )***

**शोध-पत्रिका**

1. सिंह, सी., और व्यास, डी. (2023). फुसैरियम ऑक्सीस्पोरम एफ के खिलाफ चने में प्रतिरोध बढ़ाने के लिए गैनोडर्मा ल्यूसिडम अर्क का उपयोग, एस.पी. सिसरिस फाइटोपैथोलॉजी और पादप संरक्षण के अभिलेखागार, 1-20

**ग्रंथ सूची**

2. बोधि, बी. (2007). अभिधम्म का एक व्यापक मैनुअल : अभिधम्मत्थ अकारिया का संगहा अनुरुद्ध (एआर बोम्हार्ड , एड.). चार्ल्सटन: चार्ल्सटन बौद्ध फैलोशिप

**अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

3. युंग, ईसी, ऐटकेन, जे., बियोन्डी, एस. और थोरपे, टीए (1981). कॉफ़ी कैलस और प्रोटोप्लास्ट से दैहिक भ्रूणजनन पादप ऊतक और कोशिका संस्कृति का छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मिनियापोलिस, एमएन, 137 पी

**शोध-प्रबंध**

4. कुमार, दि. (2001). बौद्ध धर्म में चेतना की घटना विज्ञान डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, पृष्ठ 135

**ऑनलाइन**

5. क्ले, आर. (2008). विज्ञान बनाम विचारधारा: मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के दुरुपयोग के बारे में लड़ते हैं, फिजियोलॉजी 39 पर मॉनिटर

https://scholar.google.co.in/scholar?oi=bibs&hl=en&cluster=17238628887801817150/ से लिया गया | **(krutidev010 14)***

नोट:

1. कृपया किसी भी प्रश्न के लिए हमें ई-मेल editor.gaveshana@gmail.com पर संपर्क करें |
2. कृपया एमएस वर्ड (2007/2016/2019) और पीडीएफ में फाइल भेजें।
3. *अपना शोध आलेख **krutidev010** अथवा **यूनिकोड** में भेज सकते है

Gaveshana Template